प्रेस विज्ञप्ति

गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय पंतनगर, जिला- ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

विश्वविद्यालय फार्म पर जीरो टिल गेहूं में टपक सिंचाई प्रदर्शन का अवलोकन

पंतनगर। २२ फरवरी, २०१८। पंतनगर विश्वविद्यालय के फार्म पर स्थापित जैन इर्रीगेशन सिस्टम लिमिटेड, जलगांव के सहयोग से लगाये गये जीरो टिल गेहूं में टपक सिंचाई का प्रदर्शन जैन इर्रीगेशन सिस्टम लिमिटेड के वैज्ञानिकों ने मुख्य महाप्रबन्धक, विश्वविद्यालय फार्म, डा. ए.के. भारद्वाज, के साथ निरीक्षण किया। डा. भारद्वाज ने बताया कि टपक सिंचाई का प्रदर्शन विश्वविद्यालय फार्म पर लगभग आधा एकड़ क्षेत्रफल पर किया गया है, जिसमें डब्लू.एच.-११२४ प्रजाति का गेहूं बोया गया है। इस प्रकार का परीक्षण विगत ०७ वर्षों से विश्वविद्यालय फार्म पर किया जा रहा है। इस प्रदर्शन में जीरो टिल गेहूं में संस्तुत सभी पोषक तत्व ड्रिप के साथ ही दिये जा रहे हैं। मुख्य महाप्रबन्धक फार्म ने बताया कि इस विधि द्वारा गेहूं की उत्पादकता में वृद्धि के साथ-साथ उर्वरक की कार्यक्षमता में वृद्धि होती है, जिसका सीधा प्रभाव फसल की पैदावार पर होता है। उन्होंने अवगत कराया कि पारम्परिक विधि से लगाई गई फसल में ०७-०६ सिचांईयों द्वारा ४००-५०० मिमी० पानी पूर्ण फसल अवधि तक दिया जाता है। इसके सापेक्ष ड्रिप द्वारा सिचाई में वर्षा द्वारा उपलब्ध पानी के अलावा मात्र १२५ से १५० मि.मी. सिंचाई पानी की आवश्यकता पड़ी है। प्रयोग में पाया गया कि ड्रिप द्वारा ७५ या १०० प्रतिशत क्यूमलेटिव, पैन इवेपोरेशन के आधार पर दो दिन बाद सिंचाई देने पर पानी की ६०-७० प्रतिशत बचत के साथ फसल की उत्पादकता में वृद्धि पायी गयी।

विश्वविद्यालय फार्म पर गेहूं में टपक सिंचाई का अवलोकन करते हुए जैन इर्रीगेशन सिस्टम लिमिटेड के वैज्ञानिक।